मोहयाल मित्र

श्री ओ.पी. मोहन जी ने 96वाँ जन्म-दिन मनाया

श्री ओ.पी. मोहन (पूर्व सीनियर वाइस प्रेज़ीडेंट, जी.एम.एस) ने सुख पूर्वक, स्वस्थ रहकर और समाज-सेवा तथा ईश्वर भक्ति में अपने जीवन के 95 वर्ष पूर्ण किए। उन्होंने 6 अक्तूबर 2016 को 96वें वर्ष में प्रवेश किया।

इस शुभ अवसर पर हमारी और मोहयालों की ओर से उन्हें जन्म–दिन की बहुत–बहुत बधाई। ईश्वर उन्हें स्वस्थ रखें, उनका आशीर्वाद हम सबको मिलता रहे।

श्री ओ.पी. मोहन जी ने अपना जन्म–दिन स्वामी चिन्मय और आदरणीय अम्मा जी के चरण–कमलों में 6 अक्तूबर को 'चिन्मय मिशन' (न्यूज़ीलैंड और कैलीफ़ोर्निया) के 'चिन्मय तपोवन आश्रम, सिद्धबाड़ी (हिमाचल प्रदेश) में साधकों और भक्तों के साथ मनाया। उन्होंने प्रातः शिव और राम मंदिर में पूजा की। उन्होंने पत्नी श्रीमती शकुंतला मोहन के साथ केक काटा। उन्होंने शाम को पादुका–पूजन किया।

अपने जन्म–दिन के अवसर पर श्री मोहन जी ने दो अक्तूबर को मोहयाल सभा फरीदाबाद के सदस्यों के लिए और 9 अक्तूबर को 'चिन्मय तपोवन आश्रम' के साधकों और भक्तों के लिए भोजन आयोजित किया।

अपने 96वें जन्म–दिन के अवसर पर श्री मोहन जी ने मोहयाल सभा फरीदाबाद के शिक्षा–फंड के लिए पाँच हज़ार रुपए भेंट किए।

उनके जन्मदिन पर सगे–संबंधियों, मित्रों और शुभचिंतकों ने देश–विदेश से फ़ोन करके उन्हें बधाई दी। वे सबके आभारी हैं।

13वाँ प्रतिभाशाली मोहयाल विद्यार्थी सम्मान समारोह दिसंबर में

वर्ष 2016 में 85 प्रतिशत और अधिक अंकों से उत्तीर्ण हुए दसवीं और बारहवीं कक्षा के उन विद्यार्थियों को रविवार **04 दिसंबर 2016** को सम्मानित–पुरस्कृत किया जाएगा, जिन्होंने आवेदन किया था। सम्मान–समारोह मोहयाल फाउंडेशन, ए–9, कुतुब इंस्टीट्यूशनल एरिया, जीत सिंह मार्ग, नई दिल्ली में होगा। जनरल मोहयाल सभा के अध्यक्ष रायज़ादा बी.डी. बाली विद्यार्थियों को सम्मानित करेंगे। सम्मानित किए जाने वाले विद्यार्थियों को कोरियर द्वारा पत्र भेजकर सूचित किया जाएगा।

अधिक जानकारी के लिए जनरल मोहयाल सभा कार्यालय में फ़ोन करें।
फ़ोन नं: 011–41783232, 26561504

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

सेवानिवृत्ति की बधाई

श्री राजेश कुमार बाली जो भारतीय सैन्य अकादमी देहरादून जो कि विश्व प्रसिद् सैन्य प्रशिक्षण संस्थान है, कार्यालय अधिक्षक के पद पर थे 32 वर्षों की सेवा के उपरान्त 30 सितंबर 2016 को सेवानिवृत्त हुए हैं। इनकी नियुक्ति 8 अगस्त 1984 को

कनिष्ठ लिपिक के पद पर हुई थी। उनके पिता स्व. कुलवीर चन्द्र बाली भी इस संस्थान में सेवारत थे। संयोग से इनके ससुर श्री विष्णुनाथ गोसाईं लेखा विभाग से वरिष्ठ लिपिक के पद से सन् 1998 में इसी संस्थान से सेवानिवृत्त हुए थे। श्री बाली जी के पुत्र श्री गौरव बाली जिनकी नियुक्ति इसी संस्थान में हुई। श्री राजेश बाली के परिवार में उनकी पत्नी श्रीमती अनीता बाली, दो पुत्र गौरव बाली, शुभम बाली एवं एक पुत्री सुश्री नैना बाली है। श्री गौरव बाली सरकारी सेवा में है, दूसरा पुत्र शुभम बाली बी.ए. तृतीय वर्ष में एवं पुत्री सुश्री नैना बाली ने एम.ए. (अंग्रेजी) तक अध्ययन किया है तथा भविष्य में पी.एस. डी करने की योजना है।

श्री बाली जी को सेवा के दौरान उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए अकादमी के समादेशक द्वारा दो बार कार्यकुशल कर्मचारी का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त श्री बाली जी को सन् 1998 में जनरल आफिसर कमाडिंग–इन–चीफ मध्य कमान लखनऊ द्वारा इस संस्थान में कार्य करते हुए, और सैन्य में अन्य लोगों के लिए उदाहरण प्रस्तुत करने पर प्रशंसा–पत्र प्रदान किया गया एवं आदेश दिया कि इस प्रशस्ति को उनकी सेवा अभिलेख में उल्लेख किया जाऐ।

श्री राजेश बाली सरकारी सेवा में रहते हुए अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थानों से जुड़े रहे। श्री बाली जी वर्तमान में मोहयाल सभा प्रेमनगर के लगभग 10 वर्षो से सचिव के पद पर कार्य कर रहे हैं। श्री बाली जी सिटीजन फॉर ग्रीन एण्ड क्लीन एम्बायन्स प्रेमनगर के सदस्य हैं, जो कि पर्यावरण एवं स्वच्छता अभियान से जुड़ी हैं। मोहयाल सभा प्रेमनगर उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना करती हैं।

राजेश बाली, *सचिव एमएस प्रेमनगर–देहरादून*

शुभ समाचार

18 अगस्त, 2016 को वारिधि–मानस के घर चाँद से बेटे ने जन्म लिया है। मानस रिट. प्रिंसिपल श्रीमती राजरानी का पोता है। मानस के पिताजी श्री वीरेन्द्र गोस्वामी (रिट. विंग कमांडर) तथा माता जी श्रीमती शशि रानी हैं। बेबी 'एकाग्र' की बुआ जी श्रीमती हिमानी और फूफा जी व उनको बेटा बहुत प्रसन्न हैं। परिवार नौएडा में रहता है।

वारिधि मेरी पोती है, वह कमांडर आलोक मोहन (रिट.) व मंजु मोहन की बेटी तथा वरूण मोहन की बड़ी बहिन है। मेरी पोता वरूण मोहन जर्मनी में एम–टैंक के बाद पी.एस.डी की पढ़ाई कर रहा है। उसे वहीं सर्विस मिल गई है। वह भानजे को देखने शीघ्र घर लौट रहा है।

वारिधि व मानस के नानक–दादक परिवार सभी बहुत खुश हैं। इस शुभ अवसर पर मैं जीएमएस को 1100 रुपए शिक्षा फंड में दान दे रही हूँ। ***डॉ लज्जा देवी मोहन,*** *(मो. 9671432717)*

प्रभु अपना प्रिय भक्त किसे मानते हैं

कृष्ण भक्तों को गीता का बारहवां अध्याय कंठस्थ कर लेना चाहिए। एक तो यह अध्याय सभी अध्यायों में सबसे छोटा है तथा प्रभु को कौन सा भक्त प्रिय है भगवान कृष्ण स्वंय बता रहे हैं। इस अध्याया में सब कार्यों के फल का त्याग करने को कहा है, जो भक्त द्वेष रहित, अंहकार रहित, स्वार्थ रहित दयावान, ममता से रहित किसी भी प्रकार के दुःख या सुख में सम और क्षमावान है वहीं प्रभु का सच्चा भक्त है।

श्रीकृष्ण कहते हैं सदा संतोषी और जिसने अपनी बुद्धि और मन अर्पण कर दिया है, जो इच्छा रहित है, पवित्र है, दक्ष है चिंता रहित है अध्याय दो के 45वें श्लोक में कहते हैं जो किसी वस्तु के पाने और संभालने के झंझट से मुक्त रहता है वही मुझे प्रिय है, जिसे हर्ष नहीं होता जो आशाऐं नहीं बांधता शत्रु मित्र मान सम्मान शीत–उष्ण (सदी–गर्मी) सुख दुःख इन सब में जो समतावान है, जिसने आसक्ति छोड़ दी है, जो निंदा और स्तुति में समान भाव से रहता है, जिसका कोई अपना निजि स्थान नहीं है, जिसका चित अस्थिर नहीं है वह भक्त मुझे अतिप्रिय है।

संकलक: ***मदनलाल दत्त,*** *सिरसा*

नवंबर-दिसंबर माह के व्रत-त्योहार

एक नवंबर–भैया दूज, छह नवंबर–छठ पूजा, ग्यारह नवंबर–तुलसी विवाह, चौदह नवंबर–कार्तिक पूर्णिमा, सोलह नवंबर–संक्रांति, इक्कीस नवंबर–काल भैरव जयंती।
दस दिसंबर–मोक्षदा एकादशी, तेरह दिसंबर–पूर्णिमा, पंद्रह दिसंबर–संक्रांति, चौबिस दिसंबर–एकादशी, पच्चीस दिसंबर–क्रिसमस।

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

मोहयाल सभाओं की गतिविधियाँ

आगरा

मोहयाल सभा आगरा की मासिक बैठक दिनांक 2.10.2016 को श्री कामरान दत्ता संयोजक, मोहयाल सभा आगरा के निवास 208 डिफेंस स्टेट आगरा पर सम्पन्न हुई।

बैठक में सर्वप्रथम इस माह श्री कामरान जी की पूज्य चाचीजी का निधन शिवपुरी में हाल ही में हुआ तथा हमारे जीएमएस के प्रतिष्ठित स्तम्भ स्व. श्री अश्वनी बाली जी का निधन 13.09. 2016 को दिल्ली महरौली में हुआ। दोनों सदस्यों की आत्मा शांति के लिए दो मिनट का मौन रख कर उनकी दिवंगत आत्मा की शांति एवं सद्गति की कामना हेतु ईश्वर से प्रार्थना की व श्रद्धांजलि दी गई।

इसके उपरान्त निम्न विषयों पर सभी भाई–बहिनों ने खुल कर अपने विचार रखे व संयोजक महोदय द्वारा मोहयाल सभा यमुनानगर के शिलान्यास के विषय में बताया, जिस पर सभी महानुभावों द्वारा यमुनानगर कमेटी को बहुत–बहुत बधाई दी व कार्य शीघ्र पूर्ण कराने हेतु शुभकामनाएं दीं।

जन्मदिन पर बधाईयांः श्री रमेश दत्ता प्रधान फरीदाबाद, श्री अमित दत्ता पुत्र श्री एस.पी दत्ता सचिव आगरा, श्री अंजान दत्ता, श्रीमती ममता दत्ता, श्रीमती गुंजन मोहन, श्रीमती कंचन छिब्बर, श्री दीपक मेहता, श्री तुषार बाली आदि एवं इस माह में जन्मे श्रीमती शिल्पी दत्ता, श्री अरुण बाली, श्री सुभाष वैद को जन्मदिन की शुभकामनाएं दी व परमपिता परमात्मा से उनके यशस्वी होने की प्रार्थना की।

श्री अशोक मेहता व श्री अनिल मेहता (बब्बी) बल्केश्वर कॉलोनी आगरा द्वारा अपनी स्मृतिशेष पूज्य माता जी के निधन उपरान्त उनकी स्मृति में जीएमएस के लंगर फण्ड में 11000 रुपए की राशि दान स्वरूप भेंट की है। सभी सदस्यों द्वारा मोहयाल सभा आगरा की टीम की सराहना की तथा इसमें अधिक से अधिक लोगों को जोड़ने की बात की। सभी सदस्यों द्वारा भारत द्वारा पाकिस्तान पर किए गए सर्जिकल स्ट्राइक की प्रशंसा की तथा सभा द्वारा श्री मोदी जी व भारतीय सैनिकों के इस कार्य की सराहना की व बधाई दी। मोहयाल सभा के नये सदस्य बनाने की सिफारिश की गई तथा मोहयाल सभा फरीदाबाद के प्रधान श्री रमेश दत्ता जी व उनकी कमेटी सदस्यों को निकट भविष्य में रिश्ते–नाते करवाने की जानकारी होने पर उनको बहुत–बहुत धन्यवाद व मुबारकबाद दी। सभी भाई बहिनों ने एक दूसरे को नवरात्री, दशहरा एवं दीपावली की बधाईयां दीं।

अन्त में संयोजक महोदय द्वारा आए हुए सभी सदस्यों का धन्यवाद किया तथा सचिव महोदय ने संयोजक महोदय व उनके परिवार द्वारा आवभगत की सराहना की। जय मोहयाल के नारों के उद्घोष व गायत्री मंत्र मोहयाल प्रार्थना आदि के साथ सभा का समापन हुआ।

एस.पी. दत्ता, *सचिव (मो. 9897455755)*

जगाधरी वर्कशाप

मोहयाल सभा जगाधरी की मासिक बैठक 2 अक्तूबर 2016 को जंजघर मार्डन कालोनी, आई.टी.आई में सभा के प्रधान श्री सतपाल दत्ता जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई। जिसमें लगभग 15 सदस्यों ने भाग लिया।

मोहयाल सभा यमुनानगर द्वारा मोहयाल दिवस का आयोजन किया गया, जिसमें जीएमएस के प्रधान रायज़ादा बी.डी. बाली एवं जी.एम.एस के लगभग सभी सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप मोहयाल दिवस के सफल आयोजन की बधाई देती है।

स्वर्गीय श्री वेद प्रकाश वैद की पहली पुण्य–तिथि पर वैद परिवार द्वारा घर में हवन का आयोजन किया गया। इस अवसर पर उनकी धर्मपत्नी श्रीमती राज रानी वैद ने मोहयाल सभा जगाधरी वर्कशाप को 250 रुपए और इतनी ही राशि जीएमएस को भी भेंट की।

नवम्बर माह की सभा दिनांक 06.11.2016 को जंज घर मार्डन कालोनी यमुनानगर में होगी।

एस.पी. बाली, *सचिव*
मो.: 9729530102

सुरेन्द्र मेहता छिब्बर, *महासचिव*
मो. 09355310880

कुरुक्षेत्र

मोहयाल सभा कुरुक्षेत्र की मासिक मीटिंग संतोष वैद प्रधान की अध्यक्षता में 10 सदस्यों ने शिव मंदिर, सेक्टर–3 में मोहयाल प्रार्थना के साथ आरम्भ हुई।

शोक समाचारः श्री के.एल. बाली जी के पिता जी के निधन पर गहरा शोक प्रकट किया गया व दो मिनट का मौन रख कर उन्हें श्रद्धाजंलि दी।

प्रधान जी ने सभी सदस्यों को मोहयाल एजीएम की मीटिंग के बारे में बताया तथा सभी से 16.10.2016 की एजीएम में जाने का अनुरोध किया। मोहयाल भवन की जमीन के लिए दुष्यंत बक्शी जी की ड्यूटी लगाई गई।

मोहिंदर बक्शी जी के द्वारा जलपान की व्यवस्था की गई। शांति पाठ के साथ सभा का समापन हुआ।

संतोष वैद, *प्रधान*

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

फरीदाबाद

मोहयाल सभा फरीदाबाद की मासिक बैठक 2 अक्तूबर 2016 को मोहयाल भवन, फरीदाबाद में प्रधान रमेश दत्ता जी की अध्यक्षता में हुई, जिसमें लगभग 28 भाई बहनों ने भाग लिया।

शोकः श्री राजेन्द्र पाल दत्ता सेक्टर 21 जिनका निधन 13.09.2016 को हुआ व जिनकी क्रिया 23.09.16 को समन्वय केंद्र में हुई और रायज़ादा अश्विनी बाली सदस्य जीएमएस जिनका निधन 17.09.2016 को महरौली में हुआ व जिनकी क्रिया 27.09.16 को हुई। इन दिवंगत आत्माओं के लिए दो मिनट का मौन रखा गया व उनकी आत्मा की शांति के लिए प्रार्थना की गई।

रायज़ादा के.एस. बाली जी ने पिछले माह की रिपोर्ट पढ़ कर सुनाई व सभी को बताया कि 16 अक्तूबर को एजीएम है, जिसमें सभी आजीवन सदस्य अपना आई.डी. कार्ड लेकर जरूर जाएं। श्री भूषण बाली, श्रीमती मधु बाली, शीश दत्ता, व भाई पृथ्वी राय छिब्बर (मुम्बई) सभी मीटिंग में पहली बार आए थे। सभी सदस्यों ने उनका स्वागत किया व उनसे अनुरोध किया की वह हर माह मीटिंग में अवश्य आए। भाई पृथ्वी राज छिब्बर जी ने पहले भी आर्थिक रूप से मोहयाल सभा फरीदाबाद का सहयोग किया था, उन्होंने अपनी पुरानी यादें ताजा की।

राजेन्द्र मेहता जी ने योग एवं चिकनगुनिया के बारे में बताया। श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि 6 अक्तूबर को श्री ओ.पी. मोहन जी का जन्मदिन है व आज का खाना उनकी तरफ से है। सभी ने उनकी दीर्घ आयु की कामना की व प्रभु से प्रार्थना की, कि ईश्वर उन्हें व उनकी धर्मपत्नी को स्वास्थ्य लाभ दे व वह शीघ्र फरीदाबाद वापिस आएं। आज 2 अक्टूबर को श्री सी.के. भाई की पत्नी श्रीमती प्रभा छिब्बर का जन्मदिन है। सभी ने उन्हें मुबारक दी व उनकी दीर्घआयु की कामना की। मिथलेश दत्ता जी ने निम्नराशि सहयोग राशि के रूप में इकट्ठी की। श्री ओ.पी मोहन जी ने 5000 रु. अपने जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिए, 1100 रु. भाई पृथ्वीराज छिब्बर ने अपने फरीदाबाद आगमन पर दिए, 501 रुपए भाई सी.के. छिब्बर जी ने अपनी धर्मपत्नी के जन्मदिन के उपलक्ष्य में दिए।

श्री रमेश दत्ता जी ने सभी आए हुए भाई–बहनों का धन्यवाद किया व बताया कि आजकल फरीदाबाद में बुखार काफी फैला हुआ है व कामना की सभी शीघ्र स्वस्थ्य हो। उन्होंने नवरात्र की शुरुआत पर सबको बधाई दी व गाँधी जी व लाल बहादुर शास्त्री जी को याद किया। सभी आए लोगों को दीवाली की भी मुबारक दी। सभी को अवगत कराया कि फरीदाबाद मोहयाल सभा प्रतिभाशाली समारोह दिसंबर के पहले रविवार को आयोजित कर रहा है व सभी से अनुरोध किया कि जिन बच्चों ने अपने नाम अभी नहीं दिए वह भी अपने नाम शीघ्र भेजें। सभी आए लोगों ने स्वादिष्ट भोजन का आनंद लिया व श्री ओ. पी. मोहन जी का धन्यवाद किया। श्री रमेश दत्ता जी ने बताया कि अगले माह की मीटिंग 6 नवंबर को भवन में ही होगी व सभी आने का कष्ट करें।

रमेश दत्ता, *प्रधान* — ***रायज़ादा के.एस. बाली,*** *महासचिव*
मोः 9212557095, 9999078425 — *मो. 9899068573*

बराड़ा

मोहयाल सभा बराड़ा की मासिक बैठक 2.10.2016 को सभा के प्रधान हरदीप सिंह वैद जी की अध्यक्षता उनके निवास स्थान पर संपन्न हुई, जिसमें लगभग 10–12 भाई–बहनों ने भाग लिया। सभा के वित्त–सचिव श्री बलदेव सिंह दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई जिस पर सभी ने अपनी सहमति प्रकट की।

मोहयाल सभा बराड़ा की तरफ से सभी भाई–बहनों को दशहरा व दीपावली पर्व की शुभकामनाएं दीं। जलपान के लिए सभी ने हरदीप सिंह ने वैद परिवार का धन्यवाद किया।

रविन्द्र छिब्बर, *सेक्रेटरी (मो. 9466213488)*

होशियारपुर

मोहयाल सभा होशयारपुर की मासिक बैठक सीनियर उपप्रधान श्री दिनेश दत्ता जी की अध्यक्षता में मोहयाल भवन न्यू बैंक कलोनी ऊना रोड पर हुई। इस अवसर पर श्री शशीचन्द्र बाली उन दो बच्चों को भी लेकर आए, जिन्हें जीएमएस होशियारपुर की ओर से शिक्षा के लिए आर्थिक सहायता दी गई है।

इस अवसर पर नए सदस्य श्री कुलदीप दत्ता जी अपनी पत्नी श्रीमती नरमन्ता दत्ता के साथ आए। सभी मोहयाल भाई बहनों ने उनका स्वागत किया। मोहयाल सभा के सभी सदस्यों की प्रधानमंत्री मोदी की स्कीम एल.आई.सी. 12 रुपए के अर्न्तगत जीवन बीमा करवाया गया, इस अवसर पर दिनेश दत्ता, विजयंत बाली, शशयिन्द्र दत्ता, कुलदीप दत्ता, मनोज दत्ता, बरिन्द्र दत्त वैद, पवन मेहता, जगमोहन मेहता, नरमता दत्ता, बंशिका दत्ता, एच.के. बख्शी, जतिन बाली, राहुल बाली, ध्रुव बाली और रोहित बाली उपस्थित थे।

सिरसा

आज दिनांक 01.10.2016 को प्रधान मदनलाल दत्त के निवास स्थान पर सभा का आयोजन किया गया। गायत्रीमंत्र तथा जय मोहयाल के शब्द के साथ सभा का प्रारम्भ हुआ। इस सभा में 16 भाई बहनों ने अपनी हाजिरी दीं। ऐसा महसूस किया गया कि मोहयाल भाई बहन किसी के घर पर सभा करने की बजाय किसी और स्थान पर की जाए। प्रधान जी ने इस सभा का स्थान स्थाही होना ही ठीक समझा।

 For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

प्रधान जी ने कहा कि बैठकों का मतलब सिर्फ चाय–पान और गप्पें हाँक कर बैठक को संपन्न मत करें। उन्होंने कहा कि सभा का स्थान वास्तव में निश्चित होना चाहिए, जहाँ सभी भाई बहनों तथा बच्चों का ख्याल रखते हुए जहाँ महापुरुषों के बारे, प्राकृतिक दृष्यों की शोभनीय और शालीन चित्र भी हों, आदर्श वाक्यों में बातें हों, जिससे बच्चों का सर्वांगीण विकास हो तथा उनके दिव्य संस्कारों का निर्माण हो। उन्हें बिरादरी के पता लगे और आपस में लगाव हो। सिर्फ प्रधान और सचिव का ही यह कार्यवाही लिखने का काम न हो, इसमें सभा के सभी सदस्य योगदान दें। कार्यक्रम विनोदपूर्ण और रोचक भी हो यथा संभव सभी मोहयाल परिवार मासिक बैठकों में भाग लें, राग और द्वेष अपने मन में न रखें और किसी भी प्रकार की समस्या को निःसंकोंच सभा में कहें। प्रधान जी ने कहा जिन लोगों को जीएमएस से आर्थिक सहायता मिलती है, वह अब उनके बैंक खातों में जमा होगी।

अतः अपने खाते का विवरण सभा में जमा करवाऐं या खुद जीएमएस को भेंजें। इसी के साथ सभा का शांति से समापन हो गया।

मदनलाल दत्ता, *प्रधान* — ***रमेश कुमार***
मो.: 8570994004 — *मो. 8607410014*

नजफगढ़–नई दिल्ली

मोहयाल सभा नजफगढ़ की मासिक बैठक 2.10.2016 को कर्नल बी.के.एल. छिब्बर जी अध्यक्षता में श्रीमती उषा बाली जी निवास स्थान एम 86ए, न्यू रोशनपुरा, नजफगढ़, नई दिल्ली में मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के साथ आरम्भ हुई, जिसमें 8 भाई बहनों ने भाग लिया।

सभा के सचिव श्री हर्ष दत्ता जी ने पिछले माह की कार्यवाही पढ़कर सुनाई, जिसका सब सदस्यों ने अनुमोदन किया।

दुःख समाचारः श्री अश्विनी बाली जी (महरौली) का निधन 17. 09.16 को हो गया। इनकी आत्मा की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी गई तथा परिवार वालों के प्रति दुःख प्रकट किया गया।

शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थनाः श्री हर्ष दत्ता ने बैठक में प्रधान शेरजंग बाली जी के अस्वस्थ होने की सूचना दी। सभी सदस्यों ने प्रधान जी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रार्थना की। प्रधान जी ने अनुरोध किया कि बैठक में अधिक से अधिक सदस्य भाग लें ताकि बिरादरी में मेल–जोल बना रहे। चर्चा के लिए खास मुद्दा न होने के कारण बैठक की समाप्ति की घोषणा की गई। सभी ने बढ़िया जलपान के लिए उषा बाली जी को धन्यवाद किया। अगली बैठक 6.11.2016 को हर्ष दत्ता जी (सचिव) के निवास स्थान दत्ता प्लाजा, 22 ओल्ड रोशनपुरा नजफगढ़ नई दिल्ली–43 में प्रातः 10 बजे होगी सभी सदस्यों से उपस्थित होने का अनुरोध है।

हर्ष दत्ता, *सचिव (मो. 9312174583)*

अबोहर

मोहयाल सभा अबोहर की मासिक बैठक 16.08.2016 को मेहता विनोद कुमार भीमवाल एडवोकेट जन. से. मो.स. अबोहर के निवास स्थान अबोहर में श्रीमती पुष्पा देवी जी की अध्यक्षता

में सम्पन्न हुई। सबसे पहले मोहयाल प्रार्थना की गई। तत्पश्चात तीन बार गायत्री महामंत्र का उच्चारण किया गया।

सदस्यों ने रिश्ते–नातों में आ रही दिक्कतों के बारे में चर्चा की कि लड़के–लड़कियों दोनों के ही रिश्ते आ रहे हैं। मीटिंग के दौरान (घलौर यमुनानगर) से श्री गुरदीप सिंह दत्ता जी आजीवन सदस्य ने फोन द्वारा सूचित किया कि उनको मो. मित्र नहीं मिल रहा है। श्री ललित कुमार भीमवाल जी ने भी मो.मित्र न मिलने की शिकायत की। उनका पता फिर भेज रहे हैं। मेहता श्री ललित कुमार भीमवाल सिरदारपूरा जीवन वाया लालगढ़ जाटान जिला श्रीगंगा नगर, राजस्थान श्री मेहता ललित कुमार भीमवाल भी आजीवन सदस्य है।

अन्त में शांति पाठ के साथ सभा सम्पन्न हुई, जलपान की व्यवस्था के लिए श्रीमती गुलशन भीमवाल एवम् मैहता विनोद कुमार भीमवाल एवं परिवार का धन्यवाद।

मोहयाल सभा अबोहर की सितंबर की बैठक 19 सितंबर 2016 को चीफ पैट्ररन मेहता कृष्ण कुमार भीमवाल जी के निवास स्थान गाँव भंगर खेड़ा में मेहता विश्वामित्र भीमवाल जी की अध्यक्षता में सम्पन्न हुई।

शोकः स्वर्गीय श्रीमती चन्द्रमोहनी वैद धर्मपत्नी श्री गुलबीर वैद शिमला गाँव, बराड़ा का निधन 23 अगस्त को हुआ।

स्वर्गीय श्री शिवप्रताप दूबे जी का स्वर्गवास 10.09.2016 को दिल्ली में हुआ। श्री शिवप्रताप जी दूबे जी, भीमवाल परिवार की बहू श्रीमती मीनू भीमवाल (धर्मपत्नी मेहता अमरदीप भीमवाल) के पिता जी थे। इन दिवंगत आत्माओं की शांति के लिए दो मिनट का मौन रखा गया।

सदस्यों को सूचित किया गया कि इस बार मोहयाल दिवस 11.09.2016 को यमुनानगर में हुआ। मोहयाल रत्न रायज़ादा

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

बी.डी. बाली जी ने यमुनानगर के भव्य मोहयाल भवन का शिलान्यास किया। अन्त में शांति पाठ के साथ सभा समाप्त हुई। जलपान के लिए भीमवाल परिवार को धन्यवाद किया।

मैहता विश्वामित्र भीमवाल, *प्रधान*
मो. 9780160085

पानीपत

सभा की मासिक बैठक 15 अक्तूबर 2016 को श्री ऋत मोहन जी की अध्यक्षता में श्री नरेन्द्र छिब्बर के थर्मल कालोनी स्थित निवास स्थान पर आयोजित हुई। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री वंदना के पश्चात निम्नलिखत के निधन पर दो मिनट का मौन रखा गया।

1. श्री अशवनी बाली (महरौली, नई दिल्ली का गत दिवस देहान्त हो गया था वह लंबे समय तक जी.एम.एस से जुड़े रहे।

2. बख्शी कुलदीप राज छिब्बर (करोलबाग, नई दिल्ली) का निधन हो गया था, वह श्री बृजमोहन छिब्बर जी के चाचाजी थे।

सदस्यों को यमुनानगर में आयोजित मोहयाल दिवस की विस्तृत जानकारी दी गई, जोकि सफल आयोजन था, निःसंदेह यमुनानगर में मैरिट एक्सटेंशन का बिरादरी को बहुत फायदा मिलेगा। मीटिंग में 16 अक्टूबर 2016 को नई दिल्ली में होने वाली ए.जी. एम. के लिए आजीवन सदस्यों को चलने की अपील की गई, ताकि जीएमएस संबन्धी गतिविधियाँ उन्हें मालुम हो सके।

सभा ने सर्वश्री कैलाश वैद जी व उनकी धर्मपत्नी श्रीमती पूनम वैद जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। श्रीमती बृजमोहन छिब्बर जी के जल्दी ही ठीक होने की भगवान से कामना की गई। श्री भूपेन्द्र कुमार दत्ता जी के जल्दी स्वस्थ होने की कामना की गई। साथ ही श्रीमती रंजीत कौर दत्ता जी के शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की गई एवं श्री सुरेन्द्र दत्ता जी के भी स्वास्थ्य लाभ की कामना की। श्री विश्वामित्र भीमवाल जी जोकि ए.जी.एम. में भाग लेने के लिए आए हुए थे, ने भी सभा में भाग लिया।

श्री बृजमोहन छिब्बर जी ने पिछले कई माह से मोहयाल मित्र न मिल पाने की शिकायत की तथा इस बारे जीएमएस को भी लिखने का अनुरोध किया। अंत में शांति पाठ के साथ सभा का समापन हुआ।

नरेन्द्र छिब्बर, *सचिव (मो. 9416412184, 08222023131)*

उत्तम नगर-नई दिल्ली

मोहयाल सभा उत्तम नगर की अक्तूबर महीने की मीटिंग श्री एस.पी. वैद की अध्यक्षता में संजय बक्शी के निवास स्थान, बी–58, सुखीराम पार्क, उत्तम नगर में 23 अक्तूबर गायत्री मंत्र के उपरांत शुरु की।

सभा में आए सभी मोहयाल परिवारों ने संजय बक्शी को उसके जन्मदिन पर बधाईयाँ दीं। आज ही एस.पी. वैद की सुपुत्री ऋचा वैद का भी जनदिन है तो सबने उनको भी मुबारकबाद दी।

इस महिने होने वाली जीएमएस की एजीएम मीटिंग में सबने अपना प्रोग्राम तय किया और उत्तम नगर में जल्दी ही होने वाले मिनी मेले की रुपरेखा तय की गई। मीटिंग के दौरान संजय बक्शी और ऋचा वैद द्वारा केक काटा गया और सबने केक के साथ जलपान का लुत्फ़ उठाया।

सभा की अगले माह नवंबर की मीटिंग डिम्पी दत्ता जी के निवास स्थान ओम विहार में तय की गई।

विनीत छिब्बर, *महासचिव* ***संजय बक्शी*** *,वरिष्ठ उपप्रधान*
मो.: 8802624221 *मो. 9911008335*

प्रेमनगर-देहरादून

सभा की विशेष मासिक बैठक 02 अक्तूबर 2016 को सभा के सचिव श्री राजेश बाली के निवास स्थान पर हुई। बैठक की अध्यक्षता उपप्रधान श्री हर्षवीर मेहता ने की। बैठक में लगभग 40 सदस्यों ने परिवार सहित भाग लिया।

मोहयाल प्रार्थना के पश्चात कार्यवाही आरम्भ की गई। कोषाध्यक्ष श्री जे.एस. दत्ता जी ने गत माह की कार्यवाही पढ़कर सुनायी तथा आय–व्यय का ब्यौरा प्रस्तुत किया, जिसका सभी ने अनुमोदन किया।

सभा को संबोधित करते हुए सर्वप्रथम श्री जे.एस. दत्ता जी ने कहा कि सभा की यह विशेष बैठक श्री राजेश बाली के सेवानिवृत्त के बाद उनके सम्मान में आयोजित की जा रही है। श्री जे.एस. दत्ता जी ने सभा को बताया कि श्री राजेश बाली भारतीय सैन्य अकादमी, देहरादून से कार्यालय अधीक्षक के पद से 32 वर्षों की सेवा के उपरान्त 30 सितंबर 2016 को सेवानिवृत्त हुए हैं। उन्होंने बताया कि श्री बाली जी को सेवा के दौरान उनकी कार्यकुशलता को देखते हुए अकादमी के सभादेशक द्वारा दो बार कार्यकुशलता कर्मचारी का पुरस्कार प्रदान किया गया। इसके अतिरिक्त जनरल आफिसर कमाडिंग–इन–चीफ़ मध्य कमान लखनऊ द्वारा प्रशंसा पत्र प्रदान किया गया।

श्री राजेश बाली जी सरकारी सेवा में रहते हुए भी अनेक सामाजिक एवं धार्मिक संस्थाओं से जुड़े रहे एवं वर्तमान में इस सभा के सचिव के पद पर लगभग 10 वर्षों से बड़ी कार्यकुशलता से कार्य कर रहे हैं।

इसके पश्चात श्री राजेश बाली को उनकी सेवानिवृत्ति के अवसर पर मोहयाल सभा प्रेमनगर द्वारा उनकी सेवाओं को देखते हुए सभा के वरिष्ठ सदस्यों श्री रमेश दत्ता जी, साईंदास मेहता एवम् उपप्रधान जी हर्षवीर मेहता जी ने शॉल देकर उनको सम्मानित किया गया। श्रीमती अनीता बाली पत्नी श्री राजेश बाली जी को भी सभा की ओर से सभा की वरिष्ठ महिला सदस्यों श्रीमती नूतन वशिष्ठ श्रीमती रामकुमारी बाली एवं श्रीमती कमलेश मेहता द्वारा शॉल देकर सम्मानित किया

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

गया। सभा में विशेष अतिथि के रूप में आमंत्रित श्री राजीव पुंज, सचिव कांग्रेस कमेटी उत्तराखण्ड एवं अध्यक्ष व्यापार मंडल प्रेमनगर एवं श्री अमरनाथ कुमार अध्यक्ष सिटीजन फॉर ग्रीन एवं क्लीन प्रेमनगर ने भी सभा को संबोधित करते हुए श्री राजेश बाली जी के सामाजिक एवं धार्मिक कार्यों में बढ़–चढ़कर भाग लेने पर प्रशंसा की।

श्री हर्षवीर मेहता ने सभा में अधिक संख्या में सदस्यों के भाग लेने पर खुशी जाहिर की एवं आशा व्यक्त की कि भविष्य में भी अधिक से अधिक सदस्य भाग लेंगे। सभा के अंत में हर्षवीर मेहता उपप्रधान जी ने श्रीमती एवं श्री राजेश बाली जी को जलपान एवं दोपहर के भोजन के लिए धन्यवाद दिया।

राजेश बाली, *सचिव (मो. 9758135583)*

अंबाला कैंट

दिनांक 2 अक्तूबर 2016 4 ट्रिब्युन बाग निवास स्थान श्री पी. आर. मेहता, के घर पर मासिक मीटिंग हुई, जिसे प्रधान श्री आई.आर छिब्बर ने संबोधन किया, 9 सदस्यों ने भाग लिया। मोहयाल प्रार्थना व गायत्री मंत्रोच्चारण के बाद सेक्रेटरी एच. एफ.ओ. एम.एल. दत्ता ने पिछली मीटिंग की कार्यवाही पढ़कर सुनाई तथा सर्वसम्मति से अनुमोदन किया।

स्वास्थ कामनाः सदन ने श्री एम.के. वैद तथा कुलदीप मेहता जी के शीघ्र स्वस्थ होने की प्रभु से प्रार्थना की वे दोनों काफी समय से बीमार चल रहे हैं।

श्रद्धांजलिः उन वीर जवानों जिन्होंने भारत की सीमाओं की रक्षा के लिए ऊरी सैक्टर में 18.09.2016 को अपना बलिदान दिया उन्हें नम्न आँखों से याद किया तथा दो मिनट का मौन रखकर श्रद्धांजलि दी। हम सब मोहयाल तथा देश वासियों को इनके बलिदान पर गर्व है तथा सैलूट करते हैं।

जन. सेक्रेटरी ने जीएमएस से प्राप्त लेटर जिसमें जीएमएस की वार्षिक मीटिंग बुलाई गई (16.10.2016) पढ़ कर सुनाई तथा जीएमएस सदस्यों को शामिल होने की अपील की। प्रधान जी ने चिंता जताई कि सभा सदस्यों की मीटिंग में न पहुँचने पर उदासीनता दिखाई देती है जोकि ठीक नहीं तथा अधिक से अधिक सदस्य आने से ही विचार विमर्श होता है इसीलिए हमारे कई विषयों पर विचार–निर्णय नहीं हो पाते।

गोल्डन जुबली सालगिरहः शादी के 50 साल पूरे होने पर श्रीमती नरोत्तम छिब्बर तथा श्री आई.आर. छिब्बर जी ने 23.09.2016 को होटल पिरामिड में आयोजन किया, जिसमें बड़ी संख्या में मोहयाल बिरादरी व दोस्तों रिश्तेदारों ने भाग लिया। यह प्रोग्राम शाम 7 बजे से 11 बजे तक चला। पंडित जी ने मंडप पर बैठकर शादी के श्लोक पढ़ें। इससे पहले रिंग सेरेमनी तथा जयमाला की रस्म पूरी गई। सब उपस्थित लोगों ने ढेर सारी बधाई दी तथा लंबी विवाहित जीवन की कामना की। बेटे सुधीर–बहु, पुत्री बिट्टो ने अपने बच्चों तथा परिवार जनों के साथ खूब डांस किया, बच्चों ने डी.जे. में खूब डांस का मज़ा लिया। खाने पीने का बहुत बढ़िया प्रबंध था। इस अवसर पर छिब्बर परिवार ने 501 जीएमएस और लोकल सभा प्रत्येक को भेंट किए।

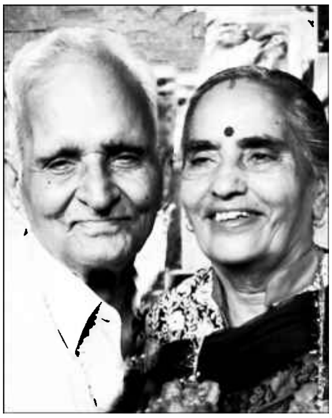

मीटिंग के अंत में प्रधान जी ने 2 अक्तूबर महात्मा गाँधी व लालबहादुर शास्त्री को उनके जन्मदिन पर याद किया, जिसमें स्वच्छता व पर्यावरण को बनाए रखने की अपील की गई।

दान राशिः श्री आई.आर. छिब्बर 501 /पए, कमां. पी.आर. मेहता 500 रु., एम.एल. दत्ता 200 रु., धर्मेन्द्र वैद 200 रुपए और श्री एस.के. मेहता ने 100 रुपए सभा को भेंट किए।

अगली मीटिंग श्री आई.आर. छिब्बर जी ने अपने निवास स्थान पर 6 नवंबर 16, 4:30 बजे सांय। साथ ही डिप्टी कमां. पी. आर. मेहता की तारीफ की कि वह घर पर अकेले रहते हुए भी मीटिंग बुलाते हैं और सेवा में कोई कसर नहीं छोड़ते बल्कि खुशी व गर्व महसूस करते हैं।

आई.आर. छिब्बर, *प्रधान* ***एचएफओ एम.एल. दत्ता,*** *महासचिव*
मो.: 9416464488 *मो. 9896102843*

मोहयाल दिवस का आयोजन

11 सितंबर 2016 को यमुना नगर में जी.एम.एस की तरफ से मोहयाल दिवस मनाया गया। रायज़ादा बी.डी बाली जी और जीएमएस की पूरी टीम इस मौके पर उपस्थित हुई। पूरे भारत से सभी मोहयाल भाईयों और बहनों ने भाग लिया।

मोहयाल दिवस पर यमुनानगर मोहयाल सभा, स्त्री मोहयाल सभा यमुना नगर और पूरे भारत से सभी मोहयाल प्रधान, सचिव मोहयाल भाई, बहन, व बच्चें शामिल हुए।

यमुनानगर के प्रधान श्री विपिन मोहन जी सचिव (विनोद जी) ने श्री बी.डी बाली जी का फूल मालाएं पहना कर भव्य स्वागत किया। मोहयाल दिवस के अवसर पर सबसे पहले श्री विपिन मोहन जी ने सुबह हवन किया। सभी मोहयाल भाइयों–बहनों और बच्चों ने भी आहुति डाली। स्त्री सभा की सभी बहनों ने भी आहुति डाली। विपिन मोहन जी ने श्री बी.डी. बाली जी को मंच पर बुला कर सम्मानित किया और पूरी टीम, मोहयाल भाईयों व बहनों बच्चों ने जय मोहयाल का नारा लगाया। इस मौके पर श्री बी.डी. बाली जी ने मोहयाल आश्रम यमुना नगर की नींव रखी, उन्होंने कहा कि मोहयाल आश्रम बड़ा अच्छा बनाय जाएगा। जीएमएस की तरफ से उन्हें फ्री शिक्षा दी जाएगी। बेसहारा और गरीब लोगों को आर्थिक सहायता दी जाएगी।

श्री पी.के. दत्ता जी, श्री डी.वी. मोहन, श्री योगेश मेहता, श्री अश्वनी बक्शी, श्री ऋत मोहन, श्रीमती वंदना वैद, श्रीमती कृष्णलता छिब्बर,

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्री सुशील कुमार छिब्बर और सभी राज्यों से आए हुए प्रधान और सचिवों, महासचिवों को सम्मानित किया गया।

सभी मोहयाल भाइयों–बहनों और बच्चों ने प्रीति–भोज का आनंद लिया। श्री विपिन मोहन जी और श्री विनोद जी ने श्री बी.डी. बाली जी, जीएमएस पूरी टीम और आए सभी मोहयाल भाइयों, बहनों व बच्चों का धन्यवाद किया।

स्त्री सभा की मासिक बैठक श्रीमती कमला दत्ता जी के निवास स्थान पर 5.09.2016 को हुई, सभा में सभी बहनों ने भाग लिया। सभा की अध्यक्षता श्रीमती कमला दत्ता जी ने की। और उन्होंने सभी बहनों को मोहयाल भवन की नींव के बारे में बताया कि 11 सितंबर को रायज़ादा बी.डी. बाली जी यमुनानगर मोहयाल भवन की नींव रखने के लिए आ रहे हैं श्रीमती कमला दत्ता ने सभी बहनों को 11 सितंबर को होने वाले मोहयाल–दिवस के लिए कार्ड बाँटे।

शांति पाठ के साथ सभा समाप्ति हुई।

श्रीमती परवीन बाली, *सेक्रेटरी*

लंगर फण्ड मोहयाल आश्रम हरिद्वार

मेरे पति श्री देवेन्द्र पाल वैद की दोनों किडनी खराब होने के कारण हम उनका इलाज बसंत कुंज, दिल्ली हॉस्टिल कराने आए। और इलाज शुरु हो गया। कुछ दिनों के बाद अस्पताल वालों ने कहा किडनी कौन देगा। मेरा पति देवेन्द्र पाल वैद हैं और उनके बड़े भाई जोगेन्द्र पाल वैद जो कि पिछले कई सालों से मेरे पति का इलाज तथा घर वालों की देख भाल खर्च वगैरह करते आ रहे तथा किडनी देवेन्द्र पाल वैद एक बदलने के लिए हास्पिटल वालों ने कहा, जोगेन्द्र पाल वैद के बेटे रीन्का वैद खंड वाला अमृतसर रहने वाले ने कहा मैं चाचा के लिए किडनी दे देता हूँ। चाचा से बढ़कर हमारा कौन है। उसकी बहादुरी देखते हुए जब किडनी दो दिन बाद बदलनी थी कि रात को अचानक मेरे पति देवेन्द्र पाल वैद की तबियत खराब हो गई करीब सुबह 5:00 बजे पर मेडिकल सफदरजंग में उनकी मृत्यु हो गई। मृत्यु होते ही अमृतसर घर ले गए, तथा उनका मरने से लेकर क्रिया तक का खर्च जो हुआ वह मेरे बड़े जेठ जोगेन्द्र वैद ने किया। मेरे तीन बच्चे हैं, दोनों पुत्रियों की शादी कर दी है। मेरा लड़का बीमार रहता है। मैं सिलाई करके कुछ गुज़ारा करती हूँ तथा मेरा जेठ का भी हमें सहारा है। मैं पति देवेन्द्र पाल वैद की याद में 11000 रुपए हद्विारा मोहयाल आश्रम में लंगर फण्ड हेतु दान दे रही हूँ।

लंगर तिथिः 25 जुलाई!

श्रीमती शुभ वैद *(पत्नि), म.न. 37, शमशेर नगर खंड वाला अमृतसर*

मोहयाल आश्रम हरिद्वार में ऋषियों की मूर्तियों को सुंदर हार पहनाए गए

सुभाष चंद्र दत्ता रिटायर्ड रेलवे मेल/एक्सप्रैस ड्राईवर गत 30 जून 2016 को रिटायरमेंट हुए, इससे पहले परिवार सहित मोहयाल आश्रम हरिद्वार में दो दिन ठहरे वहां मोहयाल

ऋषियों और स्थापित देवी देवताओं की मूर्तियों पर शीश झुकाते हुए प्रार्थना की और पूरे परिवार ने फूलों के हार मूर्तियों पर पहनाऐ।

15 अगस्त 2016 को सुभाष चंद्र दत्ता अपनी धर्मपत्नी रेनू दत्ता सुपुत्री विधि दत्ता लैक्चरार डी.ए.वी. कॉलेज, परमिंदर दत्ता एम.एमसी बायोटेक सुपुत्र जतिंदर दत्ता बी.डी.एस स्टूडेंस साथ में मोहयाल सभा अंबाला के प्रधान जे.पी. मेहता (सुभाष चंद्र के चाचा जी) और मोहयाल सभा जलंधर के प्रधान विजय दत्ता ने दत्ता परिवार के साथ मोहयाल आश्रम हरिद्वार जाकर सभी ऋषियों–देवी देवताओं की बड़ी श्रद्धा से सुंदर हार पहनाकर नतमस्तक होकर सुख समृद्धि की कामना की। सुभाष चंद्र दत्ता ने बताया मोहयाल आश्रम की प्रबंधक श्रीमती चंचल मोहन, सह प्रबंधक आर.के. दत्ता की देखरेख में मोहयाल आश्रम ठीक चल रहा है। दत्ता जी का सुझाव मोहयाल आश्रम के पार्क में भगवान परशुराम की विशाल सुंदर प्रतिमा लगी हुई है, इस पर शैड होनी चाहिए ताकि धूम, बरसात, धूलभरी आँधी से प्रतिमा को बचाया जा सके।

अशोक कुमार दत्ता, *सचिव मोहयाल सभा जलंधर शहर, मो. 9779890717*

भूल–सुधार

कृपया मोहयाल मित्र अक्तूबर 2016 के पृष्ठ संख्या 31 में छपे 'वरिष्ठ नागरिकों की समस्याएँ व निदान' के अंतिम से पूर्व की लाईन में पुरस्कार वितरण की तिथि
29.10.2016–30.10.2016 के स्थान पर 30.11.2016 पढ़ें।

श्री बलदेव कुमार बाली

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

श्रीमती वीना छिब्बर का देहान्त

श्रीमती वीना छिब्बर धर्मपत्नी श्री रविश छिब्बर 3 मई 2016 को इस संसार को छोड़कर प्रभु चरणों में विराजमान हो गई। यह स्वर्गीय भाई कस्तूरी लाल जी की बहू थी। इनका सारा जीवन सेवा–भाव व प्रभु–भक्ति में ही बीता। किडनी रोग के कारण इनका देहान्त हुआ था। अपने पीछे यह दो बच्चों को छोड़कर गईं, बेटी इन्दू छिब्बर व पुत्र नितिन छिब्बर, यह रोज भाई मतिदास जी की आरती गाया करती थी और यही आरती इन्होंने कुलाची हँसराज स्कूल में भी जीएमएस के कार्यक्रम में बोली थी। इनका जीवन सदा हमारे लिए प्रेरणादायक रहेगा। इनकी याद में उनके पुत्र नितिन छिब्बर जीएमएस को 151 रुपए भेंट कर रहे हैं।

पहला श्राद्ध

श्री सगुन शर्मा पुत्र श्रीमती सुधा शर्मा व महेश शर्मा दोहता स्वर्गीय कृष्णलाल दत्ता, कृष्णा अर्पाटमेंट, प्लाट नं 1052, वार्ड नं 8, महरौली, नई दिल्ली अपनी नानी स्वर्गीय शकुन्तला दत्ता के पहले श्राद्ध पर 2000 रुपए विधवा फंड में जनरल मोहयाल सभा को दान दिए।

लंगर फण्ड विवरण

मैं, नन्दकिशोर बाली आत्मज स्व. श्री मदनलाल बाली, अपने पूर्वजों, पितरों की पुण्य पावन सदैव स्मरणीय स्नेह–स्निग्ध एवं मधुरिम स्मृति में उनके निमित्त भोज–निधि (लंगर फंड) न्यास में ग्यारह–ग्यारह हज़ार कुल बाईस हजार रुपए की राशि निम्न प्रकार से समर्पित कर रहा हूँ:–

1. पूज्य एवम् पुण्य श्लोक पिताश्री मदनलाल बाली पुण्य तिथि 17 सितंबर हरिद्वार मोहयाल आश्रम हेतु 11000 रु.।

लंगर तिथिः 17 सितंबर

2. पूजनीय माता जी श्रीमती बुधवंती बाली, पुण्य तिथि 18 मई वृंदावन मोहयाल आश्रम हेतु 11000 रुपए।

लंगर तिथिः 18 मई

कृपया, इसे भोज–तिथि–पटल हरिद्वार एवं वृंदावन मोहयाल आश्रम में, उपरोक्तानुसार अंकित–अधिसूचित करिएगा।

नन्दकिशोर बाली, *43, राम नगर, बाली निलयम, तेरा निवास, कांसा रोड, यमुनानगर–135001, फोनः 0740 4274918*

मोहयाल, मोह्यालियत और इतिहास–9

ममदोट और पिंड दादनखान के मोहन

गोत्र क्या होता है? मोहयालों के गोत्र क्या हैं? इतनी लंबी अवधि में सबने अपने मूल-पूर्वजों (गोत्र-ऋषियों) के नाम कैसे याद रखे जबकि आजकल बहुत लोगों को अपने परदादा का नाम भी याद नहीं होगा? इस प्रकार के कई प्रश्न आपके मन में आते होंगे। स्थानाभाव से यहाँ हम इन रोचक और ज्ञानवर्धक विषयों की संक्षिप्त रूप से ही व्याख्या कर सकेंगे। इनको ध्यान से समझने का प्रयास करें। एक बार पुनः पढ़ें।

मोटे तौर पर गोत्र आपके उस आदि–पूर्वज का नाम है जिसकी आप सन्तान हैं। हिंदु अपने पैतृक वंश में विवाह नहीं करते। इसका अर्थ यह हुआ कि पिछली कई शताब्दियों और सहस्राब्दियों में उनको अपने सगोत्र कबीलों (पैतृक परिवार के सगे संबन्धियों) की, किसी प्रकार पूरी पहचान थी– ताकि उनसे वैवाहिक सम्बन्ध न हों। हर व्यक्ति की इस प्रकार की पहचान के लिए भारत में एक अद्वितीय प्रथा थी, जिसका हम वर्णन करेंगे। ऐसे प्रयोजन पहले ब्राह्मण अपनाते थे और धीरे–धीरे यही प्रथा समाज के सभी अंगों में प्रचलित हो जाती थी।

आजकल हर व्यक्ति की पहचान उसके सरनेम अर्थात "जाति" से होती है। मोहन लाल **कपूर,** स्वप्न **चटर्जी,** चन्ना **रेडी-** आपको हर एक की व्यक्तिगत भूमिका की बहुत सी जानकारी उसकी "जाति" से मिल जाती है। इसी प्रकार वैदिक काल में पहचान के लिए हर एक ब्राह्मण के नाम के साथ चार चिह्नात्मक शब्द जुड़े होते थे। यह थे प्रवर, गोत्र, वेद और (वेद) शाखा।

प्रवर ऋषि आपका वह आदि–पूर्वज था जिसने अग्नि की स्तुति में मन्त्रों की रचना की और यह मन्त्र ऋग्वेद में सम्मिलित किए गए। साधारणतः वह ऋषि की आपका गोत्रकार भी था। परन्तु आगे चलकर इस वंश का कोई विशिष्ट व्यक्ति अपने नाम से नया गोत्र भी आरम्भ कर सकता था। उसका मन्त्रकृत होना आवश्यक नहीं था। (तब तक वेद व्यास द्वारा वेदों का संकलन भी हो चुका होगा)।

कश्यप ऋषि के गोत्रकारों की संख्या 127 थी– उनमें कार्तिकेय, वात्सयान आदि प्रसिद्ध हैं। इसी प्रकार वैशम्पायन और मार्कण्डेय आदि भृगुकुल के गोत्र हैं। ("हमारे पूर्वज", श्रीमती डॉ. लज्जादेवी मोहन, पृष्ठ 56, 58, 78)। वैशम्पायन वंश के व्यक्ति का प्रवर भृगु और गोत्र वैशम्पायन होगा। भृगु से जो सीधी सन्तान हैं, जैसे हमारे "छिब्बर", उनका प्रवर और गोत्र भृगु है। मोहयालों की सब जातियाँ अपने प्रवर ऋषियों की सीधी सन्तान हैं इस कारण उनका प्रवर ऋषि ही उनका गोत्र ऋषि भी है। क्योंकि वेद लिखे नहीं जाते थे और मौखिक रूप से पढ़े और पढ़ाए जाते थे, हर ब्राह्मण वंश को किसी एक वेद की विशेष शाखा का दायित्व दिया गया था। यह भी उस वंश की, पीढ़ी दर पीढ़ी पहचान चिह्नों का अंश था।

मोहयाल, जो सारस्वत ब्राह्मणों का एक भाग हैं, उनके लिए भी शुक्ल यजुर्वेद की माध्यन्दिनी शाखा निर्धारित थी। स्वर्गीय श्री वशिष्ठ देव मोहन जी ने भी इस मत की पुष्टी की थी। ("मोहयाल टाइम्ज़ नवम्बर 1993 पृष्ठ 15)। वेद और शाखा समान होने पर भी, हर मोहयाल जाति का प्रवर/गोत्र पृथक हैं। वैवाहिक सम्बन्धों के लिए, इन्हीं लक्षणों में भेद के कारण, उनको सदैव अपने सगोत्र और

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor

''अन्य'' कबीलों की पहचान थी। एक शताब्दी पूर्व जिन बुजुर्गों ने जनरल मोहयाल सभा स्थापित की थी उनको इस प्राचीन प्रथा की जानकारी थी। मोहयाल मित्र के अक्तूबर 2016 अंक में हमने ''जंग नामा मोहना'' का उल्लेख किया था। उसके आरम्भ में (श्लोक संख्या 18) और फिर अंत की ओर (श्लोक संख्या 150 में) ममदोट की मोहन जाति की इस प्रकार पहचान की गई है– ''कश्यप गोत्र, माधनी (माध्यन्दिनी) शाखा''।

भारत में बौद्ध धर्म की उत्कृष्टिता के दौरान बहुत सी वैदिक प्रथाएं ढीली पड़ गयी थीं, परन्तु ब्राह्मणों ने उनका त्याग नहीं किया। पहचान के लिए, नाम के साथ, चार के स्थान पर दो ही चिह्नात्मक शब्द जुड़ने लगे– व्यक्ति का गोत्र और शाखा (मोहनः कश्यम गोत्र, माध्यन्दिनी शाखा। यह भी पर्याप्त थे क्योंकि गोत्र से प्रवर और शाखा से सम्बन्धित वेद का बोध हो जाता है।

प्रश्नः हमारी हज़ारों पीढ़ियों ने अपने आदि पूर्वज (गोत्र ऋषि) का नाम किस प्रकार याद रखा? वैदिक काल में हर गृहस्थ में यज्ञ का बड़ा प्रचलन था। यजमान अग्नि का आह्वान करके अपने प्रवर का नाम लेता था, जिसने मन्त्रों द्वारा अग्नि की स्तुति की थी। इस प्रकार अपने आदि–पूर्वज (प्रवर/गोत्र) को प्रतिदिन याद करता था। सब पुरानी परम्पराएं शिथिल पड़ जाने पर भी, हिन्दू विवाह अब भी वैदिक पद्धिति के अनुसार होते हैं, उसमें एक भाग है ''गोत्राचार'', इसमें विधि अनुसार वर, और फिर कन्या, अपना वेद, शाखा, प्रवर, गोत्र, अपना, परदादा, दादा, पिता के नाम घोषित करते हैं। आजकल पण्डित मण्डप में गोत्र तो अवश्य पूछते हैं परन्तु प्रवर के लिए, स्वयं ही ''अमुक प्रवर'' बोल देते हैं। इसलिए अब भी लोग अपने गोत्र का नाम तो याद रखते हैं ताकि विवाह के धर्म अनुष्ठान में उनको झेंप न हो, (आप भी ध्यान रखिए)।

आपकी जानकारी के लिए हम प. श्रीवायुनन्दन मिश्र द्वारा लिखित और मास्टर खेलाडी लाल संकटा प्रसाद, वाराणसी, द्वारा प्रकाशित ''विवाह पद्धिति'' से (पृष्ठ 50–51) ''गोत्राचार'' वाला अंश उद्धृत कर रहे हैं।

अथ गोत्राचारः ऊँ गणानान्त्वा गणपति........ स्वस्ति श्रीमतः.... शुक्लयजुर्वेदान्तर्गत–वाजसनेय–माध्यन्दिनीय शाखा ध्येतू कात्यायन सूत्रस्य अमुक गोत्रस्य, अमुक प्रवरस्य, अमुक शर्मणः प्रपौत्रः, शुक्लयजुर्वेदा, शर्मणः पौत्र, शुक्लयजुर्वेदा, शर्मणः पुत्रः, प्रयतपाणिः शरणं प्रपद्ये, स्वस्ति संवादेषुभयोर्व्रिद्दिः वर–कन्ययोर्मन्गलमासताँ वरश्चिरञजीवी भवतात् कन्या च सावित्री भूयात। इति वरपक्षे प्रथमशाखोच्चारः(1)

उसका क्रम यह है– पहले वेद–मन्त्र को पढ़ें, बाद में मंगल श्लोक, फिर शाखोच्चार करें। इसी प्रकार कन्या पक्ष के भी ब्राह्मण शाखोच्चार करें।

मोहयालों के गोत्रः-

जाति	**प्रवर/गोत्र ऋषि का नाम**	**वंशज कहे जा सकते है**
बाली	पराशर	पाराशर
भीमवाल	कोशल	कौशल्य
छिब्बर	भृगु	भार्गव
दत्त	भरद्वाज	भारद्वाज
लौ	वशिष्ठ	वाशिष्ठ
मोहन	कश्यप	काश्यप
वैद	भरद्वाज	भारद्वाज/धनवन्तरी

नोट : संस्कृत व्याकरण के अनुसार, पूर्वज के नाम का पहला ''स्वर'' वृद्धि लेकर और किसी प्रत्यय के साथ एक नया शब्द बना लेता है जो बेटे के नाम का परिचायक होता है। यह उस वंश के सभी व्यक्ति प्रयोग कर सकते हैं।

उदाहरण– व्याकरण के इस नियम के अनुसार ''छिब्बर'' जाति का गोत्र (आदि–ऋषि के नाम से) ''भृगु'' है परन्तु छिब्बरों को भारगव कहा जा सकता है।

__आर.टी. मोहन,__ पंचकुला (मो. 09464544728)

भाई मतिदास जी

गुरू के लिए प्यारे हमेशा होते खास जी,
इन खासों में से खास भाई मतिदास जी,

अंत समय आया चलो कोई बात नहीं,
खास गुरू जी का होना कोई आम बात नहीं,
मुख हो गुरू जी की ओर ना कोई और फरियाद,
नाम 'वाहेगुरू' जी का मुझे आ गया रास जी,
महान शहीदों में शहीद भाई मतिदास जी।

दर्द आए ना नज़दीक वाहेगुरू नाम जप जी,
होगी सुखों की बरसात, दुख हो जाए कम जी,
अच्छा हुआ समय परीक्षा का जो आ गया,
प्रितम प्यारे ने जानी, दिल की जो आस थी,
महान शहीदों में शहीद भाई मतिदास जी।

ओखी घड़ी ना देखन देई,
अपना विर्ध संभाले,
मन की मैल धुल, हो जाए दुध की तरह सफेद,
ना रहेंगे दाग काले,
फिर तुम भी बन जाओगे, इन आमों में से खास जी,
महान शहीदों में शहीद भाई मतिदास जी।

__डिम्पल छिब्बर,__ पटियाला

मोहयाल मित्र की वार्षिक सदस्यता

'मोहयाल मित्र' पत्रिका का वार्षिक सदस्यता शुल्क मात्र दो सौ रुपए है। यह शुल्क जनवरी से दिसंबर तक होता है।

मोहयाल मित्र पत्रिका को वर्ष 2017 के नवीनीकरण के लिए कृपया अपना शुल्क शीघ्र भेजें।

वार्षिक शुल्क आप अपने क्षेत्र की मोहयाल सभा द्वारा भेजें। जहाँ सभा नहीं हैं वे सदस्य सीधे बैंक ड्राफ्ट, चैक या मनीआर्डर जनरल मोहयाल सभा के नाम पर भेज सकते हैं।

अपना पता पिन कोड सहित अवश्य भेजें।

आपका नवीनीकरण शुल्क 31 दिसंबर 2016 तक अवश्य मिल जाना चाहिए।

नए सदस्य जो मोहयाल मित्र अपने नाम पर मंगाना चाहते हैं वे भी 31 दिसम्बर 2016 तक अपना 200 रुपए शुल्क भेज सकते हैं।

For courses in MERIT, visit: http://www.meritlogics.com

PDF compression, OCR, web optimization using a watermarked evaluation copy of CVISION PDFCompressor